

## उत्तराखण्ड में आदविसयों को UCC से छूट दी जाएगी

### चर्चा में क्यों?

राज्य विधानसभा में पेश किया जाने वाला प्रस्तावित उत्तराखण्ड समान नागरिक संहति राज्य की आदविसी आबादी को इसके प्रावधानों से पूरी तरह छूट देने के लिये तैयार है।

### मुख्य बिंदु:

- उत्तराखण्ड की आबादी में लगभग 2.9% आदविसी हैं, जिनमें जौनसारी, भोटप्पा, थारू, राजी और बुक्सा प्रमुख हैं।
  - पहाड़ी राज्य में कुछ जनजातियों के बीच बहुपतनी और बहुविहारी प्रचलित प्रथा है।
- उत्तराखण्ड UCC समिति ने भी इन आदविसी समुदायों के साथ समान संहति पर बातचीत की थी।
  - युवा जनजातीय आबादी ने यह भी प्रतक्रिया दी थी कि हालाँकि पिछली पीढ़ियों में बहुपतनी बहुविहारी एवं अन्य प्रथाएँ प्रचलन में थीं, लेकिन अब वे शायद ही प्रचलन में हैं और इसलिये सुधार किया जा रहा है।
  - हालाँकि सभी राज्यों, वशिष्ठ कर पूर्वोत्तर राज्यों में आदविसी और जातीय समुदायों ने खुले तौर पर किसी भी नागरिक संहति को लागू करने का विरोध व्यक्त किया है जो उनके रीत-रिवाजों तथा जीवन के सदियों पुराने तरीकों को प्रभावित कर सकता है।
- मुसलमानों के लिये तलाक और पुनरविवाह पर हलाला, इददत व खुला वकिलप नए कोड के तहत अवैध होंगे, जिसमें केवल न्यायालयों में कानूनी कार्यवाही के माध्यम से तलाक तथा पुनरविवाह की आवश्यकता होगी।
  - राज्य का कोड 'लवि-इन रेलिशनशप' के पंजीकरण को अनविराय करेगा तथा पैदा हुए बच्चों के लिये पूर्ण उत्तराधिकार की मांग करेगा।



# UNIFORM CIVIL CODE

All sections of the society irrespective of their religion shall be treated equally according to a National Civil Code - the Uniform Civil Code.

## THEY COVER AREAS LIKE



Marriage



Divorce



Maintenance



Inheritance



Adoption



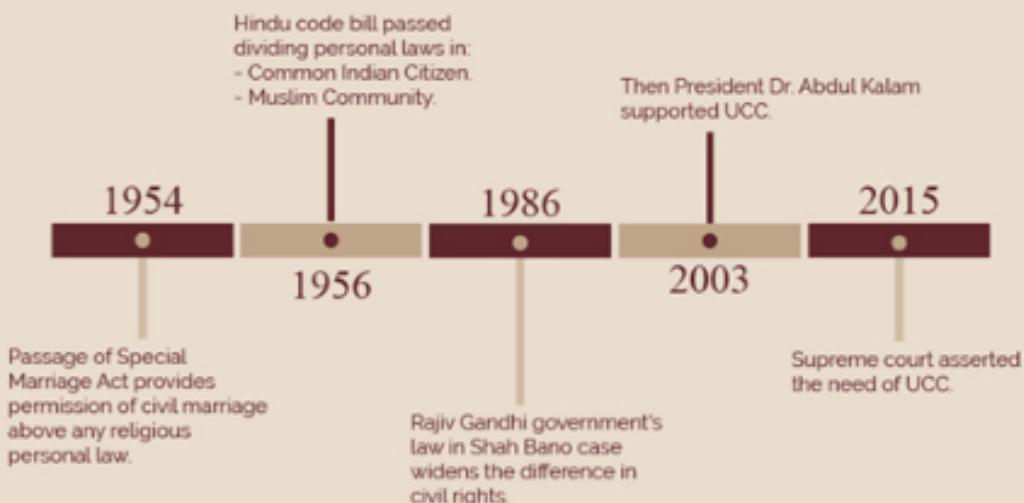
Succession of  
Property

It is based on the premise that there is necessarily no connection between religion and personal law in a civilized society.

**"UCC refers to a common set of laws governing civil rights of every citizen."**

**Article 44 of Directive Principles sets duty of state for implementing UCC.**

## TIMELINE



// The dialogue for UCC was started by the Law Commission in the year 2016

## उत्तराखण्ड की जनजातियाँ

- उत्तराखण्ड की जनजातियों में मुख्य रूप से पाँच प्रमुख समूह शामिल हैं जनिमें जौनसारी जनजाति, थारू जनजाति, राजी जनजाति, बुक्सा जनजाति और भूटथिं शामिल हैं।
- जनजातीय आबादी का मुख्य संकेंद्रण ग्रामीण क्षेत्रों में है।
  - राकिंगड़ के अनुसार, कुल आदविसी आबादी का लगभग 94.50% ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और शेष प्रतशित आदविसी आबादी शहरी केंद्रों में रहती है।
- जनसंख्या की दृष्टिसे थारू जनजातिरिज्य का सबसे बड़ा जनजातीय समूह है।

- उत्तराखण्ड के प्रत्येक ज़िले में जनजातीय आबादी का कम-से-कम प्रतशित है
- उत्तराखण्ड की इन जनजातियों को भारत के संविधान में अनुसूचित किया गया है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-set-to-exempt-tribals-from-ucc>

